पालिकाकर्मियों का झाड़ू मार प्रदर्शन

करनाल (जेके शर्मा) अधिकारियों द्वारा समझौते लागू न करने के विरोध में नगरपालिका कर्मचारी संघ ने शहर में झाड़ू उठाओ प्रशासन जगाओ प्रदर्शन किया। नगर निगम कार्यालय से कमेटी चौक तक कर्मचारी जमकर गरजे।

इस मौके पर प्रदेश सचिव शारदा व जिला प्रधान वीरभान बिडलान ने सभी सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि बार-बार अवगत कराने के बाद भी विभाग के अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व कर्मचारियों द्वारा दिए गए धरने प्रदर्शन के बाद प्रशासन की ओर से एक कमेटी बनाई गई थी, जिसमें नगर निगम के प्रशासनिक अधिकारी व नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा शाखा करनाल के प्रतिनिधिमंडल शामिल थे। कमेटी में निर्णय हुआ था कि ठेके प्रथा के दौरान लगे सभी सफाई सुपरवाइजर रोको जो विभाग रोड पर सफाई कर्मचारी के पद पर लगाया है लेकिन उनसे सफाई का कार्य ना लेकर इनसे सफाई सुपरवाइजर का ही काम लिया जा रहा है जो हरियाणा पॉलिसी के तहत गलत है। 24 मई 2018 के समझौते के दौरान जारी पत्र में सिर्फ सफाई कर्मचारी, सीवर-मैन,फायरमैन कर्मचारियों की ही पॉलिसी थी लेकिन प्रशासन अधिकारियों ने मिलीभगत करके इनको सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्त किया गया जो कि इस पॉलिसी से बाहर है।

आंदोलन करने से भाग रहे हैं ग्रामीण चौकीदार

इन्द्री(जेके शर्मा) हरियाणा के ग्रामीण चौकीदारों की कोई नेता, विधायक, मंत्री सुन नहीं रहा, इसके बावजूद ये लोग आंदोलन से भाग रहे हैं।

इन्द्री के विधायक रामकुमार कश्यप के निवास पर हरियाणा ग्रामीण चौकीदार सभा इन्द्री के पदाधिकारी अपनी मांगों को लेकर पहुंचे। चौकीदारों ने विधायक को मांगों के बारे अवगत उनके समाधान की मांग की। चौकीदारों ने विधायक को बताया कि ग्रामीण चौकीदार 24 घंटे कार्य करते हैं, इसलिए उन्हें पक्के कर्मचारियों का दर्जा दिया जाए तथा उन्हें ईपीएफ के दायरे में लाभ दिया जाए।

इसके अलावा ग्रामीण चौकीदार सभा इन्द्री ने मांग रखी कि चौकीदारों को आयुष्मान योजना से जोडा जाए, उनका रूका हुआ मुनादी भत्ता दिया जाए आदि मांगे रखी। जिस पर विधायक ने हरियाणा ग्रामीण चौकीदार सभा इन्द्री के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि वे उनकी सभी मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखकर उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाने का प्रयास करेंगे।

स्वास्थ्य ठेका कर्मचारियों की मांगों को लेकर प्रदर्शन

करनाल, (म.मो.) स्वास्थ्य ठेका कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं को लेकर सर्व कर्मचारी संघ ने सीएमओ को स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रमुख तौर पर आउटसोर्सिंग पालिसी में लगे पुराने अनुभवी ठेका कर्मचारियों को वापस नौकरी पर लेने के आदेशों को लागू किये जाने की मांग उठाई गई। कर्ण पार्क में मीटिंग करने के बाद कर्मचारी नेता सीएमओ कार्यालय पहुंचे।

एसकेएस के जिला प्रधान मलकीत सिंह व सह सचिव सुशील गुर्जर ने कहा कि राज्यभर में ठेकेदार व स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा आदेशों को लागू नहीं किया जा रहा है। कई जिलों में कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया है। बार-बार संबंधित अधिकारियों से अपील के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस अवसर पर वाईपी यादव, जयभगवान शर्मा, विजय शर्मा, भाग सिंह, अनिल, नवयुग सिंह, सुरेंद्र, सुरेश पाल, सेवा राम, जगमाल, रोहतास कोकर, संदीप, दीपक, रमेश शर्मा, जोगिंदर व कवलजीत आदि मौजूद रहे।

पैट्रोल व डीजल मूल्य वृद्धि से जनता में आक्रोश

करनाल (म.मो.) पूरे देश में पेट्रोल डीज़ल के दाम आसमान छू रहे हैं। इस वृद्धि के विरोध में जनता में भारी गुस्सा है। रोजाना पेट्रोल डीजल के दामों में वृद्धि देखने को मिलती है। जून महीने में कई बार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। पेट्रोल शतक के करीब पहुंच चुका है और इस समय पेट्रोल पंप पर पेट्रोल 96 रूपये 3 पैसे प्रति लीटर के हिसाब से मिल रहा है। तेल के दामों में भी रोजाना वृद्धि होती है जिसके चलते ट्रांसपोर्टशन महंगा होता है। बढ़ते पेट्रोल डीजल के दामों ने आम आदमी का बजट बिगाड़ा हुआ है।

नगर निगम की बैठक में जनता गंदा पानी लेकर घुसी, हंगामा

पार्षद और अधिकारी हैरान रह गए, कई बैठक छोड़ चले गए

करनाल, (म.मो.) सीएम सिटी का हाल यह हो गया है कि जनता को अपनी समस्याएं बताने के लिए नगर निगम सदन की बैठक में घुसना पड़ रहा है। नाकारा पार्षद और अन्य जनप्रतिनिधि शो पीस बनकर रह गए हैं। बुधवार को निगम की मीटिंग के दौरान जमकर हंगामा देखने को मिला। कई वार्ड के पार्षद मीटिंग को बीच में छोड़कर बाहर आ गए। वहीं आम पब्लिक अधिकारियों के सामने गंदा पानी लेकर पहुंच गई।

पार्षदों ने आरोप लगाए हैं कि अधिकारी काम मे लापरवाही बरतते हैं जिसके चलते लोग पार्षदों से शिकायत करते हैं। जब जनता को पता चला कि आज नगर निगम की मीटिंग चल रही है जिसमें पार्षद, मेयर, अधिकारी, नगर निगम कमिश्नर सब मौजूद हैं। अधिकारी मिनरल वाटर पी रहे थे, तो जनता वो पानी लेकर पहुंच गई जो अपनी घरों में गंदा पानी पीती है। अधिकरी सब हक्के बक्के रह गए और किसी तरह से लोगों को बाहर करके मीटिंग शुरू की गई। मीटिंग दोबारा शुरू हुई ही थी कि पार्षदों ने इसी मुद्दे को आगे बढ़ाते हुए हंगामा काटा। पार्षदों ने अधिकारियों पर आरोप लगाए कि समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। रोज जनता उनसे आकर सवाल पूछती है कि काम कब होंगे, कब उन्हें मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी और हंगामा करते हुए कुछ पार्षद बाहर चले गए। पीछे पीछे अधिकारी उन्हें मनाते हुए नजर आए। कुछ पार्षद इस बात पर अड़े रहे कि जब तक उनकी समस्याओ का समाधान नहीं होगा तब तक वो यूं ही मीटिंग का विरोध करते रहेंगे। बहरहाल, गंदा पानी लेकर पहुंची जनता की समस्या का समाधान नहीं हुआ। इस मुद्दे की आड़ में पार्षदों ने अपना काम निकलवाने के लिए अफसरों पर दबाव बनाया और वे सफल भी रहे। पार्षदों पर जनता का आरोप है कि पार्षद खुलेआम कमीशन लेते हैं, रिश्वत लेते हैं इसलिए ठेकेदार कोई काम नहीं करते। अफसरों ने पार्षदों की कमजोर नस पकड़ी हुई है। इसलिए अफसर भी मौज कर रहे हैं। गंदे पानी पर इतने हंगामे के बावजूद नगर निगम कमिश्नर और किसी अन्य अफसर ने कोई सफाई पेश नहीं की।

गंदे पानी पर अजीबोगरीब सफाई

करनाल, (म.मो.): नगर निगम आयुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बुधवार को विकास सदन के सभागार में आयोजित अपनी पहली हाऊस मीटिंग में कहा कि शहर के विकास के लिए रचनात्मक नजरिये से काम करेंगे। निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम की ओर से रात की सफाई को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया गया है, जल्द ही इसका टेंडर निकालेंगे। विकास कार्यों को लेकर उन्होंने बताया कि शहर के अलग-अलग वार्डों में 40 करोड़ के काम चल रहे हैं, जहां-जहां कमी होगी, उसे पूरा करेंगे।

मीटिंग में वॉर्ड-15 में गंदे पानी की निकासी का मुद्दा उठाया गया। इसको लेकर निगम से अपनी स्थिति स्पष्ट की। निगमायुक्त ने बताया कि गहरे नलकूप से जो सप्लाई की जाती है, वह पानी गंदा नहीं होता। नागरिक अपनी सहूलियत के लिए गली से गुजरती पेयजल लाइन से कनेक्शन जोड़ लेते हैं, जो कुछ समय के बाद जंग लगने से लीकेज करने लगती है और ऐसी पाइप लाइन सीवर लाइन के साथ हो तो सीवर का गंदा पानी लीकेज में प्रवेश कर घरों में पहुंचता है। इसका समाधान किया जा रहा है। इसे लेकर वार्ड-15 में 2800 मीटर लाइनो में से 1400 मीटर लाइन बदल दी है, शेष पर काम चल रहा है।

कर्ण गेट मार्किट में बैरिकेडिंग का आदेश

करनाल, (म.मो.): शहर के मुख्य बाजारों में अतिक्रमण रोकने के लिए अब ज्यादा सख्ती रहेगी। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त टीम नियमित तौर पर बाजारों का दौरा करेगी, 8-10 लोगों का अतिक्रमण हटाओ दस्ता कई दिन लगातार अतिक्रमण को हटाने का काम करेगा। सड़कों पर सामान रखकर यातायात को अवरूद्ध करने वालों का सामान उठाएंगे। बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने इस निर्णय पर जानकारी दी। उन्होंने इंचार्ज सिटी ट्रैफिक सचिन को भी निर्देश दिए कि कर्ण गेट मार्किट के लिए पहले की तरह बेरिकेडिंग लगा दी जाएं।

बैठक में उपायुक्त ने सड? सुरक्षा से जुड़े दो-तीन मुद्दों पर जोर देकर अधिकारियों को तुरंत एक्शन लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घरौंडा का नया बस स्टैण्ड बनकर तैयार हो गया है। बस अड्डे पर बसों की एंट्री व एग्जिट के लिए सैंट्रल वर्ज पर एक कट चाहिए। उन्होंने इसके लिए एन.एच.ए.आई. के प्रतिनिधि के साथ-साथ उपमण्डलाधीश घरौंडा की ड्यूटी लगाई कि इस बारे हर सप्ताह एक मीटिंग रखें और अगली मासिक मीटिंग से पहले बस स्टैण्ड चालू हो जाना चाहिए।

विशाल जूड की रिहाई के लिए सौंपा ज्ञापन

करनाल, (म.मो.): सिडनी में बंद विशाल जूड उर्फ राहुल की रिहाई को लेकर करनाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद सांसद संजय भाटिया और कुरूक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी ने दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने युवक की रिहाई के लिए हर सम्भव प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

सांसद संजय भाटिया व सांसद नायब सिंह सैनी बुधवार को दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मिले और विशाल जूड की रिहाई के लिए एक ज्ञापन सौंपा है।

उन्होंने अपने ज्ञापन में कहा है कि विशाल जूड से कुछ देश विरोधी ताकतों ने मारपीट की और झूठे केस में फंसाकर जेल भिजवा दिया है। इसलिए भारतीय नागरिक को शीघ्र अति शीघ्र रिहा करवाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।